



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 46]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 16, 1974 (कार्तिका 25, 1896)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 16, 1974 (KARTIKA 25, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

गृह-मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अक्तूबर 1974

सं० 25/28/74-आर० जी० (एडी०-I)—राष्ट्रपति महर्षि, श्री टी० वेदांतम्, आई० ए० एस० को, जो जनगणना कार्य निदेशक और जनगणना कार्य अधीक्षक, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के पद पर कार्य कर रहे थे, दिनांक 26 सितम्बर, 1974 से कार्य निवृत्त करने का निर्णय करते हैं।

आर० बी० चारी
भारत के महापंजीकार

810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के पुनरीक्षित वेतनमान में नियंत्रण अधिकारी के पद पर तारीख 7-10-74 से स्थानापन्न तौर पर, एक वर्ष की कालावधि या इस पद पर नियमित रूप से नियुक्ति होने तक, जो भी पूर्वतर हो, तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

आर० रामास्वामी,
विशेष कार्य अधिकारी

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवाम, दिनांक 11 अक्तूबर 1974

सं० नस्ती क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/93/74—श्री एस०एस० देशपाण्डे, नियन्त्रण निरीक्षक, प्रतिभूति कागज कारखाना, होशंगाबाद को बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम में रु० 650-30-740-35-1—326 GI/74

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्तूबर 1974

मं० प्र०-6/247 (388)/74—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा श्रेणी-1 की इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-III में सहायक निरीक्षण निदेशक श्री एस० सी० आनन्द को दिनांक 16-9-74 के पूर्वाह्न में पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के निरीक्षण स्कंध के मुख्यालय में सेवा के ग्रेड-II में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रशासन शाखा-1

दिनांक अक्टूबर 1974

सं० प्र०-1/1 (984)—राष्ट्रपति, 1972 की इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर मनोनीत श्री श्रोम प्रकाश शर्मा को दिनांक 1 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय प्रति सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III में परिवर्द्धनाधीन नियुक्त करते हैं।

2. श्री शर्मा ने दिनांक 1 अक्टूबर, 1974 के पूर्वाह्न से प्रति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) ट्रेनिंग रिजर्व का कार्यभार सम्भाल लिया।

एस० के० जोशी,
उप-निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 24 अक्टूबर, 1974

सं० 1/339/74-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री पी० पी० पिल्लै को अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 2-9-74 से लेकर 28-9-74 (दोनों दिन ममेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक नियुक्त करते हैं।

एम० एम० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क समाहर्तलिय

मदुरै, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० आई०/22/72/74—श्री एम० मुहम्मद हबीब, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मण्डलीय कार्यालय, मदुरै (मदुरै समाहर्तलिय), 1 अक्टूबर, 1974 को देहान्त हो गया।

ह०/अपठनीय
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 अक्टूबर 1974

सं० III—निम्नलिखित वर्गित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय में स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी द्वितीय के रूप में अपने नामों के आगे अंकित नियुक्तियों को कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम संख्या	नाम	कार्यभार सम्भालने की तारीख
1	2	3
1	श्री एम० आर० पाटिल	18-5-1974 (पूर्वाह्न)
2	श्री एम० बी० शेट	18-5-1974 (पूर्वाह्न)

1	2	3
3	श्री डी० एम० वारेकर	24-6-1974 (पूर्वाह्न)
4	श्री डी० जे० भावलनकर	22-5-1974 (पूर्वाह्न)
5	श्री बी० एम० प्रधान	18-5-1974 (पूर्वाह्न)
6	श्री आर० जी० देशपाण्डे	1-6-1974 (पूर्वाह्न)
7	श्री डी० बी० भोसले	11-6-1974 (पूर्वाह्न)
8	श्री डी० एम० भिडे	1-6-1974 (पूर्वाह्न)
9	पी० एस० डोन्डे	1-6-1974 (पूर्वाह्न)
10	श्री जोस० जे० डिमल्वा	5-6-1974 (पूर्वाह्न)
11	श्री बी० डी० काले	15-6-1974 (पूर्वाह्न)
12	श्री आर० एच० लालवानी	17-6-1974 (पूर्वाह्न)
13	श्री ए० बी० शानभाग	17-6-1974 (पूर्वाह्न)
14	श्री एम० के० शेख	1-7-1974 (पूर्वाह्न)
15	श्री एम० एस० कम्बेकर	1-7-1974 (पूर्वाह्न)
16	श्री बी० ए० नरोन्हा	1-8-1974 (पूर्वाह्न)
17	श्री पी० जे० डिसोजा	19-8-1974 (पूर्वाह्न)

सं० -iv—कार्यालय अधीक्षक श्री जे० ए० फर्नांडीस ने पदोन्नति पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय में दिनांक 1-7-1974 (पूर्वा०) को स्थापित प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी द्वितीय का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ज्योतिर्मय दत्त,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय फरक्का बांध परियोजना

फरक्का, दिनांक 18 अक्टूबर 1974

सं० 12443 (7)—श्री अरुणेंद्र कुमार विश्वास, भारत सरकार, सिचाई एवं विद्युत मंत्रालय, फरक्का बांध परियोजना में सहायक अभियन्ता के पद पर तदर्थ आधार पर दिनांक 29 मार्च, 1974 के पूर्वाह्न से 31-12-74 तक की अवधि के लिए नियुक्त किये जाते हैं।

जे० एन० मण्डल
महाप्रबन्धक
फरक्का बांध परियोजना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II का कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 31 अगस्त 1974

सं० पी० आर० 136-Acq.-23-191/6-1/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रे० सं० नं० 454/ब श्री शामलाजी कृपा है, जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 18-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री सुमतिचन्द्र हीरालाल शाह
- (2) श्री भगवानदास बल्लभदाम दलाल
- (3) श्री शांतिलाल पाडीलाल शाह
- (4) श्री जसभाई हाथीभाई
- (5) श्री नरेन्द्रकुमार रसिकलाल रिक्तपाला
- (6) श्री मणीभाई छाटाभाई पटेल
- (7) श्री भगवानदास पलकभाई खत्री
- (8) श्री जगमोहन डाकोरलाल शाह

- (9) मे० एस० एस० पुरुषोत्तमदास एण्ड कं० कोमर्स कालेज के सामने बड़ौदा की ओर से सहिदारी
- (अ) रापजीभाई उर्फ सुरेन्द्र पुरुषोत्तमदास पटेल
- (ब) चन्द्रवदन शनाभाई पटेल
- (स) चन्द्रश शनाभाई पटेल
- (द) प्रकाश शनाभाई पटेल
- (इ) पंकज शनाभाई पटेल (अवयस्क) की ओर से चन्द्रवदन शनाभाई
- (क) श्रीमती गंगाबेन शनाभाई पटेल की विधवा (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कमलाबेन बल्लभभाई पटेल
- (2) श्रीमती शान्ताबेन रावजीभाई पटेल
- (3) श्री जयेशभाई चन्द्रकान्त पटेल (अवयस्क) की ओर से चन्द्रकान्त रणछोड़भाई पटेल
- (4) केयूरभाई सुरेन्द्रभाई पटेल (अवयस्क) की ओर से सुरेन्द्र रणछोड़भाई पटेल
- (5) ठाकोरभाई बल्लभभाई पटेल
- (6) योपेन्द्रभाई नरेन्द्रभाई पटेल (अवयस्क) की ओर से नरेन्द्र रावजीभाई पटेल। (अन्तरिती)

3. (1) एजेंट यूनियन बैंक आफ इंडिया, सवाजीगंज, बड़ौदा।
- (2) मै० सत्कार होटल एण्ड रेस्टोरेन्ट की ओर से सहियारी गजानन केशव प्रभु, बड़ौदा।
- (3) मनुभाई शंकरभाई राजपूत पानवाला, बड़ौदा (अन्धीन पान हाउस)। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन कुल माप 5315 स्क्वेयर फीट और मकान जिसका नाम 'श्री शामलाजीकृपा' है, जिसका टीका नं० 8/3, सर्वे नं० 3/7, जो रे० सं० नं० 454/ब का भाग है जो सयाजीगंज विभाग में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 684, फरवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा में लिखा है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 31 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 141/ए० सी० क्यू० 23-207/6-2/74-75--
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 9 पर स्थित खुली जमीन है, जो सम्पतराव कालोनी, रेस कॉर्म रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1974 को पूर्ण

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्षितों, अर्थात्:—

1. लाज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी : मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, वकील सयाजी गंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती. शोभनाबेन मनीभाई पटेल, मगनवाड़ी, सयाजी गंज, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्षितों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 9 पर स्थित खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5103 वर्ग फुट है जो सम्पतराव कालोनी के पास, रेस कॉर्म रोड, बड़ौदा के स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के फरवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 316 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त, 1974

निर्देश सं० 144/ए० सी० यू० 23-210/6-2/74-75—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 12 पर खुली जमीन है, जो सम्पतराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी: मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, वकील सयाजी गंज, बड़ौदा। (अन्तरक)

2. श्री बेचरभाई दारकादाम शाह, निर्मला बेन बेचरभाई शाह 15, मानीकुंज, पटेल कालोनी, मिथनाय रोड, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 12 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5166 वर्ग फुट है और जो सम्पतराव कालोनी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के फरवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 314 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 146/ए० सी० ब्यू० 23-212/6-2/74-75—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 14 पर खुली जमीन है, जो सम्पतराव कालोनी के पाम, रस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी : मनुभाई डाहयाभाई पुरोहित, वकील सयाजी गंज, बड़ौदा।
(अन्तरक)

2. श्री पानाचन्द बी० परीख, श्रीमती लीलावतीबेन पानाचन्द परीख, 84, सम्पतराव कालोनी, रस कोर्स रोड, बड़ौदा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 14 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5084 वर्ग फुट है, जो सम्पतराव कालोनी के पाम, रस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के फरवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 320 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद.

तारीख : 28 अगस्त, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त, 1974

निर्देश स० 139/ए० सी० क्यू०-23-153/6-1/74-75— यत. मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० सम्पतराव कालोनी के पास, सर्वे न० 525 में से रासूकी (कामन प्लॉट) है, जो रेस कोर्स रोड, बडौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 लांज टाईरेल लीथ न० 43, अपने मैनेजिंग डाइरेक्टर द्वारा मै० डा० मनुभाई डाहयाभाई पुरोहित, वकील, सयाजी गज, बडौदा। (अन्तरक)

2 प्रकाश प्लाट होल्डर्स, अपने प्रेमीडेट द्वारा प्रेमीडेट चन्द्रकान्त मत्येन्द्रप्रसाद नगरशेठ, मार्फत नगरशेठ एन्ड क०, प्रताप रोड बडौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे न० 525 में से प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 27927 वर्ग फुट है, जो सम्पतराव कालोनी के पास, न्यू० इडिया इण्डस्ट्रीज, बडौदा के मामले में है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बडौदा के फरवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 318 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख . 28-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती चंद्रभागाबाई बिठोबाजी चलमेलवार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/32/74-75—
यतः मुझे एम० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 276, सर्कल नं० 20, ईस्ट हायकोर्ट रोड, नागपुर है, जो नागपुर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सद्गुण वलीभाय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधिन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मकान नं० 276, सर्कल नं० 20, ट्रस्ट प्लॉट नं० 100, जो ईस्ट हायकोर्ट रोड पर, न्यू रामदासपेठ, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है ।

एस० एस० राय,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, नागपुर ।

तारीख : 3 सितम्बर, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1974

निर्देश सं० जी०-2/74(7)79/56 :—यतः, मुझे बी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अहाता नोहरा नं० 80 है, जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आमा अग्रवाल पति श्री ताराचन्द अग्रवाल निवासी श्री गंगानगर (अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राय पुत्र श्री मनोहर लाल अग्रवाल निवासी श्री गंगानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्वस्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा भाग (उत्तर की ओर) अहाता नोहरा नं० 80 - (बाजार) मंडी श्री गंगानगर । नोहरे का क्षेत्रफल वर्गफीट ।

तारीख

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1974

निर्देश सं० कलकत्ता/74(3) 2/261 :—यतः, मुझे,
बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० शराफ बाग है, जो लक्ष्मणगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 फरवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
(1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
त व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) सर्वश्री 1. भगवती प्रसाद शराफ 2. शिवप्र
शराफ 3. श्रीमती मदन देवी शराफ, 145 ए० कोटन स्ट्रीट,
कलकत्ता-7 । (अन्तरक)

(2) श्रीमती गुणीला दाई शराफ, 145 बी० कोटन
स्ट्रीट, कलकत्ता-7 । (अन्तरिती)

(3) प्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) श्री राजकुमार शराफ, 145 बी०-कोटन स्ट्रीट,
कलकत्ता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर (राजस्थान) स्थित शराफ बाग
का 3/4 भाग ।

बी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 5 सितम्बर, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1974

निर्देश सं० जे० -3/74 (5) 6/1 :—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० के 16 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 मार्च, 1974

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मयुरेश ब्रह्मारी माथुर एडवोकेट पुत्र श्री निरंजन लाल माथुर, बीसा जिला जयपुर (राज०) (अन्तरक)

(2) श्री शांति चन्द्र सतसंगी पुत्र श्री हरीशचन्द्र माथुर निवासी के-16, दुर्गादासपथ, 'सी' स्कीम जयपुर (अन्तरिती)।

(3) श्री शान्ति चन्द्र सतसंगी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० के-16 जिसकी नाप 114' × 114' है और जो दुर्गादासपथ मालवीय मार्ग 'सी' स्कीम जयपुर में स्थित है पर एक मंजिला मकान।

वी० पी० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 3 सितम्बर, 1974

मोहर :

प्ररुष आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री हुकुम चन्द पुत्र श्री भागीरथ अग्रवाल, श्री गंगा-
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री लखी राम पुत्र श्री प्रभातीलाल अग्रवाल श्री गंगा,
नगर (अन्तरिती)को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1974

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

निर्देश सं० जी०-2/74 (7) 29/57 :—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अहाता नोहरा नं० 80 है, जो श्री गंगानगर में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25 मई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिग्राहित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लकड़ा (बाजार) मण्डी श्री गंगानगर स्थित अहाता नोहरा नं० 80 का आधा हिस्सा (दक्षिणी), नोहरे का क्षेत्रफल 21' × 68' वर्ग फीट।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4 सितम्बर, 1974

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH II)

New Delhi, the 4th October 1974

No. F.32/257/74-SCA(ii).—On the expiry of leave Shri Faqir Chand resumed charge of his duties as Deputy Registrar, Supreme Court of India on the forenoon of 28th September 1974.

2. Shri R. Subba Rao, Officiating Deputy Registrar reverts to his substantive post of Assistant Registrar with effect from the forenoon of 28th September 1974.

3. Shri H. S. Munjral, Officiating Assistant Registrar reverts to his substantive post of Court Master with effect from the forenoon of 28th September 1974.

S. K. GUPTA
Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 26th October 1974

No. 25/28/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to decide that Shri T. Vedantam, I.A.S., who was functioning as Director of Census Operations and Superintendent of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, ceased to function as such with effect from 26th September 1974.

R. B. CHARI
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

BANK NOTE PRESS

(DPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

Dewas (MP), the 11th October 1974

F. No. BNP/C/93 74.—Shri M. S. Deshpande, Inspector Control in the Security Paper Mill, Hoshangabad (MP) is appointed to officiate as CONTROL OFFICER in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Bank Note Press, Dewas (MP)

SALAR JUNG MUSEUM BOARD HYDERABAD

Recruitment rules for the post of Picture Restorer.

Designation of the post.	Classification	Scale of Pay.	Whether selection or Non-selection.	Age Limit.
1	2	3	4	5
Picture Restorer.	Class I. (Junior)	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950 (Pre-revised) Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300. (Revised scale)	Selection	Below 45 years.

with effect from 7-10-74, on *ad-hoc* bases, for a period of one year or till regular appointment is made to this post, whichever is earlier.

R. RAMASWAMY
Officer on Special Duty

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. BRANCH A-6)

New Delhi, the 19th October 1974

CORRIGENDUM

No. A-6/247(601)/68.—Please read "Grade II" in place of "Grade III" occurred in the 1st line of this office Notification No. A-6/247(601)/68, dated 24-9-74.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi the 29th October 1974

No. A-6/247(388)/74.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Anand, Assistant Director of Inspection, Grade III of the Indian Inspection Service, Class I, Engineering Branch, to officiate as Deputy Director of Inspection in Grade II of the Service with effect from the forenoon of the 16th September 1974 in the Headquarters office of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi.

No. A-1/1(984).—The President is pleased to appoint Shri Om Parkash Sharma nominated on the results of the Engineering Services Examination, 1972 on probation in Grade III of the Indian Supply Service (Class I) with effect from the forenoon of 1st October 1974 and until further orders.

2. Shri Sharma has assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on the forenoon of 1st October 1974.

S. K. JOSHI
Deputy Director (Administration)

Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotion	Method of recruitment whether direct recruitment or transfer or promotion and % of vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/transfer grades from which promotions to be made.	Remarks.
6	7	8	9	10
(1) Essential Degree in Science with chemistry as one of the subject or	—	Direct recruitment	—	Qualifications relaxable by the Board on the recommendations of the Selection Committee.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
					Degree or eq- uiva- lent Dip- loma in Fine Arts from a recog- nised insti- tution				
					(2) App- roved exper- ience of 2 years in the picture Rec- orda- tion Work.				

Sd—illegible
Secretary

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay the 24th October 1974

No 1/339/74 EST—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri P. P. Pillay, Asstt Supervisor, Madras Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 2-9-74 to 28-9-74 (both days inclusive) against a short term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer,
for Director General

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Madurai-2 the 22nd October 1974

C No 1/22/72/74 A 1—SHRI M. MOHAMED HABIB,
SUPERINTENDENT OF CENTRAL EXCISE, CENTRAL
EXCISE I D O, MADURAI (MADURAI COLLECTORATE)
EXPIRED ON 1-10-1974

C CHIDAMBARAM, Collector.

Bombay, the 5th October 1974

No III—The following Selection Grade Inspectors have an promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise, Class II in the Bombay Central Excise Collec-
torate with effect from the dates shown against their names

Name & Date of assumption charge

- 1 Shri M. R. Patil, 18-5-1974 (F N)
- 2 Shri S. V. Shet, 18-5-1974 (F N)
- 3 Shri D. S. Warekar, 24-6-1974 (F N)
- 4 Shri D. J. Malwankar, 22-5-1974 (F N)

- 5 Shri B. S. Pradhan, 18-5-1974 (F N)
- 6 Shri R. G. Deshpande, 1-6-1974 (F N)
- 7 Shri D. B. Bhosle, 11-6-1974 (F N)
- 8 Shri D. M. Bhude, 1-6-1974 (F N)
- 9 Shri P. S. Dondre, 1-6-1974 (F N)
- 10 Shri Jose T. D. Silva, 5-6-1974 (F N)
- 11 Shri V. D. Kale, 15-6-1974 (F N)
- 12 Shri R. H. Lalwani, 17-6-1974 (F N)
- 13 Shri A. B. Shambhag, 17-6-1974 (F N)
- 14 Shri M. K. Shaikh, 1-7-1974 (F N)
- 15 Shri M. S. Kasbekar, 1-7-1974 (F N)
- 16 Shri B. A. Naronha, 1-8-1974 (F N)
- 17 P. J. D'Souza, 19-8-1974 (F N)

No IV—Shri J. A. Fernandes Office Supdt who has promoted, assumed charge of Officiating Administrative Officer, Central Excise, Class II in the Bombay Central Excise Collectorate with effect from 1-7-1974 (F N)

J. DATTA, Collector of Central Excise,
Bombay

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka, the 18th October 1974

No 12443(7)—Shri Arunendu Kumar Biswas, has been appointed as Assistant Engineer (Mechanical) in the Farakka Barrage Project, Ministry of Irrigation and Power, Govt of India on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 29th March 1974 upto the period of 31-12-1974

J. N. MONDAL General Manager,
Farakka Barrage Project

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st August 1974

Ref. No PR 136 Acq. 23-191/6-1/74-75.—Whereas, I P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Rev. Sud No. 454/B, 'Shamlalji-kripa' situated at Sayaji-ganj, Station Road, BARODA, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda, on 18-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (1) S/shri Sumatichandra Hiralal Seth;
- (2) Bhagwandas Vallabhbhai Dalal;
- (3) Ratilal Vaidilal Shah
- (4) Jasbhai Hathibhai;
- (5) Narandar Kumar Rasiklal Rilwala;
- (6) Manibhai Chhotabhai Patel;
- (7) Bhagwandas Vallabhbhai Khatri;
- (8) Jagmohan Thakorlal Seth—Baroda;
- (9) M/s S S Purshottamdas & Co., Opp. Commerce College Baroda—through its partners :—
 - (a) Raojibhai alias Surendra Purshottamdas Patal;
 - (b) Chandravadan Shanabhai Patel;
 - (c) Chandresh Shanabhai Patel,
 - (d) Prakash Shanabhai Patel;
 - (e) Pankaj Shanabhai Patel; (Minor)—through guardian of Chandravadan Chanabhai;
 - (f) Gangaban wd/of Shanabhai Patel c/o S S. Purshottamdas & Co. Opp. Commerce College, Sayaji-ganj, BARODA.

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Kamlaben Vallabhbhai Patel;
- (2) Smt. Shantaben Ravjibhai Patel;
- (3) Shri Jayashbhai Chandrakant Patel (minor)—through guardian Chandrakant Ranchhodhbhai Patel;
- (4) Kayurbhai Surendrabhai Patel (minor)—through guardian Surendra Ranchhodhbhai Patel,
- (5) Thakorabhai Vallabhbhai Patel;
- (6) Yopandrabhai Narendrabhai Patel (minor) through guardian Narendra Raojibhai Patel.

(Transferee)

- (3) (i) Agent, Union Bank of India, Sayaji-ganj Branch, Baroda
- (ii) M/s Satkar Hotel & Restaurant, through its partner—Shri Gajanan Kashav Prabh, Baroda
- (iii) Manubhai Shankerbhai Rajput, Baroda (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring approximately 3515 Sq. ft. known as 'Shamlalji-kripa' bearing Tika No. 8-3 S. No. 3-7 out of R.S. no. 454/1 situated in Sayaji-ganj area of Baroda and as fully described in the Sala Deed bearing Registration No. 684 of February 1974 of the Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM JTNS—

(2) Smt. Sobhagben Manibhai Patel, Maganwadi, Savaji-ganj, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDIOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 28th August 1974

Ref. No. P.R. 141 Acq. 23-207/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Open Land bearing plot No. 9 out of Survey No. 525 situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-2-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43—through its Managing Trustee Shri Manubhai Dahyabhai Purohit, Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing plot No. 9 out of Survey No. 525—admeasuring 5103 Sq. ft. near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing registration No. 316 of February 1974—Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Kanpur, the 28th August 1974

Ref. No. P.R. 144 Acq. 23-210/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing plot No. 12 out of Survey No. 525 situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43—through its Managing Trustee—Shri Manubhai Dahyabhai Purohit Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.
(Transferee)

(2) Shri Bacharbhai Dwarkadas Shah—Smt. Nirmalaben Becharbhai Shah 15, Mani-kunj, Patel Colony, Sidhnath Road, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land bearing plot No. 12 out of Survey No. 525 admeasuring 5166 Sq. ft. near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing registration No. 314 of February 1974 of Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Panachand B. Parikh; Smt. Lilavatiben Panachand Parikh 84, Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 28th August 1974

Ref. No. P.R. 146 Acq. 23-212/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing plot No. 14 out of Survey No. 525, Situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on 14-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Lodge Tyrrell Leith No. 43—through its managing trustee—Shri Manubhai Dahyabhai purohit, Advocate, Savaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing plot No. 14 out of Survey No. 525, admeasuring 5084 Sq. ft. near Sampatrao Colony,—Race Course Road, Baroda, as described in the Sale Deed bearing registration No. 320 of February 1974—Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-8-1974

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Rel. No. PR. 139 Acq. 23-153/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Common plot out of Survey No. 525, situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Lodge Tyrrell leith No. 43 through its Managing Trustee Shri Manubhai Dahyabhai purohit, Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Prakash plot Holders Association—through its President, Shri Chandrakant Satyandra Prasad Nagarsbeth, c/o Nagarsbeth & Co., Pratap Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot out of Survey No. 525 admeasuring 27927 Sq. ft. situated near Sampatrao Colony, Opp : New India Industries, Baroda, as—described in the Sale Deed bearing registration No. 318 of February 1974 of Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 28-8-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Sadruddin Walibhoy..

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
NAGPUR

Nagpur, the 3rd September 1974

Ref. No. IAC/ACQ/32/74-75.—Whereas, I, S. S. Roy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value House No. 276, Circle No. 20, East High Court Road, exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nagpur situated at Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nagpur on 5-2-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Smt. Chandrabhagabai Vithobaji Chalmelwar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 276, Circle No. 20, Trust Plot No. 100, on East High Court Road, New Ramdaspath, Nagpur. (Maharashtra)

S. S. ROY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Nagpur.

Date : 3rd September, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Abha Agrawal W/o Shri Tara Chand Agrawal R/o Sriganganagar (Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Jagdish Rai S/o Shri Manohar Lal Agrawal R/o Sriganganagar (Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC (ACQ) RANGE JAIPUR

Jaipur the 4th September 1974

Ref No G 2/74(7)79/56 —Whereas, I V P Mittal, being the competent authority under section 269B or the Income Tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing door No 10, situated at Ahata Nohra No 80 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sriganganagar on 3.6.1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One half (Northern Portion) of Ahata Nohra No 80 Lakat (Bazar) Mandi Sriganganagar Area of Nohra is 21 x 68' sq ft

V P MITTAL
Competent Authority
V P MITTAL
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range
Jaipur

Date 4-9 74

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th September 1974

Ref. No. Calcutta/74(3)2/261 —Whereas, I. V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Sharaff Garden situated at Lakshmangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calcutta on 15-2-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri (1) Bhagwati Prasad Sharaff (2) Shew Prasad Sharaff (3) Smt. Madan Devi Sharaff, 145-A, Cotton Street, Calcutta-7 (Transferee)

(2) Shrimati Sushila Bai Saraff, 145-B, Cotton Street, Calcutta 7 (Transferor)

“(3) Transferees) (Person in occupation of the property)

* (4) Shri Raj Kumar Sharaff, 145-B, Cotton Street, Calcutta-7 (person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th Share in Sharaff Garden at Lakshmangarh, Distt. Sikar (Rajasthan)

V. P. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date :

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 3rd September 1974

Ref No. J-3/74(5)/6/1.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. K-16 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 11-3-974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mathuresh Behari Mathur, Advocate s/o Sh. Niranjani Lal Mathur, Dausa, Distt. Jaipur. (Transferor)

- (2) Shri Shanti Chandra Satsanghi s/o Shri H. C. Mathur, K-16, Durga das path, 'C' Scheme Jaipur. (Transferee)
- (3) Shri Shanti Chandra Satsanghi. (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Single storey bungalow on plot No. K/16 measuring 114'X 114' situated on Durga das path, Malviya Marg, 'C' Scheme, Jaipur.

V. P. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Jaipur.

Date : 3-9-74.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC (ACQ) RANGE JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1974

Ref No G-2 74(7)/29/57—Whereas, I V P Mittal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No Ahata Nohra No. 80 situated at Sriganaganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganaganagar on 25-5 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

(1) Shri Hukum Chand S/o Shri Bhagirath Agiawal, Sriganaganagar

(Transferor)

(2) Shri Lakh Ram S/o Shri Prabhatal Agiawal R/o Sriganaganagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ portion (Southern) of Ahata Nohra No 80 Lakar (Bazar) Mandi Sriganaganagar Area of Nohra is 21' × 68' sq ft

V. P. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,

Jaipur.

Date 4-9-74.

Seal :